भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 3337 #
गुरूवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

अवकाश पर्यटन

3337 # श्री रामेश्वर तेली:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत पाँच वर्षों के दौरान देश में आने वाले पर्यटकों की संख्या में, विशेषकर अवकाश पर्यटन क्षेत्र में, वृद्धि हुई है या कमी आई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन प्रवृत्तियों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने देश में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कोई दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित किए हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किए जा रहे उपायों और कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) और सावकाश पर्यटकों की प्रतिशत हिस्सेदारी का विवरण निम्नानुसार है:-

वर्ष	**एफ़टीए (लाख में)**	**सावकाश और मनोरंजन का %**
2020	27.45	58.4
2021	15.27	5.8
2022	64.37	36.5
2023	95.21	46.2
2024	99.52	45.0

स्रोत: आप्रवासन ब्यूरो

विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) में वृद्धि मुख्य रूप से महामारी के बाद वैश्विक पर्यटन की बहाली और एक विविध एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गंतव्य के रूप में भारत के प्रति बढ़ते विश्वास के कारण हुई है। जहां एक ओर बेहतर हवाई संपर्कता से प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुँच पाना और सुलभ हुआ है, वहीं दूसरी ओर पर्यटन अवसंरचना के निरंतर

विकास से पर्यटकों के अनुभव में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, लक्षित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विपणन अभियानों ने भारत की वैश्विक अपील को मज़बूत किया है, जिससे यह दुनिया भर के यात्रियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में पर्यटकों के आगमन को बढ़ाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं/पहलें की हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

- पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजनाओं के तहत देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- पर्यटन मंत्रालय अपने विभिन्न अभियानों और कार्यक्रमों के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है। इनमें से कुछ पहलें, देखो अपना देश अभियान, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट, भारत पर्व आदि हैं।
- अन्य विशिष्ट विषयों के साथ-साथ निरोगता पर्यटन, पाक-कला पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, इको-पर्यटन आदि जैसे विषयगत पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के दायरे को बढ़ाया जा सके।
- 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण', 'अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता' (आईआईटीएफ), 'पर्यटन मित्र' और 'पर्यटन दीदी' जैसी क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर केंद्रित पहलों के माध्यम से समग्र गुणवत्ता और आगंतुक अनुभव में वृद्धि की जाती है।
- ई-वीज़ा योजना अब 171 देशों के लिए निम्नलिखित 9 उप-श्रेणियों में उपलब्ध है:
  - i. ई-टूरिस्ट वीज़ा
  - ii. ई-बिज़नेस वीज़ा
  - iii. ई-मेडिकल वीज़ा
  - iv. ई-कॉन्फ्रेंस वीज़ा
  - v. ई-मेडिकल अटेंडेंट वीज़ा
  - vi. ई-आयुष वीज़ा
  - vii. ई-आयुष अटेंडेंट वीज़ा
  - viii. ई-स्टूडेंट वीज़ा
  - ix. ई-स्टूडेंट X वीज़ा

****